THE HAWK
16 November, 2019

ICFRE And NIESBUD Sign Bilateral Agreement

Dehradun: A bilateral agreement was signed between Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE) and National Institute for Entrepreneurship & Small Business Development (NIESBUD), Micro, Small & Medium Enterprise Ministry, Government of India on 14.11.2019 for the upgradation of entrepreneurship skill and education. On this occasion, the MoU was signed by Dr. S.C. Gairola, Director General, Indian Council of Forestry Research & Education and Shri Rajesh Aggarwal, Director General, National Institute for Entrepreneurship & Small Business Development.

During the occasion, Dr. S.C. Gairola, Director General, Indian Council of Forestry Research & Education emphasized that the Council is organizing forestry research and related employment generation oriented skill development programmes in various centers of the ICFRE institutes located throughout the country. In the present scenario, entrepreneurship is an important factor to make skill a livelihood enhancement tool. NIESBUD and ICFRE will work jointly to enhance the entrepreneurship skill up-gradation of trainees. By this, the new industries will be developed in near future and the new opportunities for self employment will be generated. In the past, the joint entrepreneurship based skill development programmes were also organized with NIESBUD resulting in this MoU. On this occasion, Shri Rajesh Aggarwal, Director General, National Institute for Entrepreneurship & Small Business Development said that the Institute is working for the entrepreneurship development through research and training. The Institute is organizing various programmes throughout the country in-order to motivate the youths for self employment. The youths who are being educated at Indian Council of Forestry Research & Education will be provided with entrepreneurship skills so as to prepare them for self employment which is the main objective of this bilateral agreement. NIESBUD will train the youth as per the market requirements and will help them in establishing industries and marketing of their products. By forming the self help groups (SHGs), the NIESBUD will also provide the opportunities of group entrepreneurship to the youth. He also said that the NIESBUD will organize the entrepreneurship training programmes in ICFRE institutes/centers located in various parts of the country.

The occasion was graced by Shri S.D. Sharma, Deputy Director General, ICFRE, Dr. Poonam Sinha, Director, NIESBUD, Dr. R.S. Rawat, Scientist, ICFRE and Shri Birendra Singh Sajwan, Chief Consultant, NIESBUD.

I NEXT

16 November, 2019

रोजगार के मिलेंगे अवसर

भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद की ओर से राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के साथ एमओयू साइन किया गया. इस मौके पर भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद् के महानिदेशक डा. एससी गैरोला ने कहा कि इस अनुबंध से रोजगार सृजन पर आधारित कौशल विकास कार्यक्रमों को बल मिलेगा.

RASHTRIYA SAHARA
15 November, 2019

स्वरोजगार व कौशल विकास पर करार

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

युवाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण देने व कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के मध्य अनुबन्ध किया गया है।

स्वरोजगार के लिये युवाओं को किया जाएगा प्रशिक्षित

निसबड के महानिदेशक राजेश अग्रवाल, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. एससी गैरोला ने करार पर हस्ताक्षर किए। निसबड के महानिदेशक राजेश अग्रवाल ने कहा कि संस्थान द्वारा उद्यमिता विकास व युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में युवाओं को उद्यमिता कौशल प्रदान कर स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए यह द्विपक्षीय समझौते किया गया है। निसबड युवाओं को प्रशिक्षित कर उद्यम स्थापना व उत्पादों के विपणन में सहयोग करेगा। निसबड स्वयं सहायता समूह गठित कर उद्यमिता के अवसर उपलब्ध करायेगा। डा. एससी गैरोला ने कहा कि वर्तमान मे कौशल को आजीविका का साधन बनाने में उद्यमिता महत्वपूर्ण कारक है। निसबड की निदेशक डा. पूनम सिन्हा ने कहा कि निसबड भविष्य में उद्यमिता विकास कार्यक्रमों का आयोजन करेगा।

इस अवसर पर एसडी शर्मा, उपमहानिदेशक, डा. आरएस रावत वैज्ञानिक व बिरेन्द्र सिंह सजवाण मुख्य परामर्शदाता आदि मौजूद रहे।

समझौता दस्तावेज का आदान-प्रदान करते अधिकारी।

SHAH TIMES

15 November, 2019

आईसीएफआरई व निसबड के बीच अनुबंध

■ महानिदेशक डॉ. गैरोला व राजेश अग्रवाल ने किए साईन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधाान एवम् शिक्षा परिषद् तथा राष्ट्रीय उद्यमिता एवम लघु व्यवसाय विकास संस्थान, सूक्ष्म, लघु एवम् मध्यम उद्यम मंत्रलय, भारत सरकार के मध्य उद्यमिता कौशल एवम् शिक्षा के उन्नयन के लिये द्विपक्षीय अनुबन्ध हस्ताक्षरित किया गया।

इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवम् शिक्षा परिषद् के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला तथा राष्ट्रीय उद्यमिता एवम लघु व्यवसाय विकास संस्थान के महानिदेशक राजेश अग्रवाल, द्वारा सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया गया।

इस मौके पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवम् शिक्षा परिषद् के महानिदेशक, डॉ. एससी गैरोला ने कहा कि परिषद् वानिकी अनुसंधान और इससे सम्बन्धित रोजगार सृजन पर आधारित कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन देश भर मे स्थित संस्थान के विभिन्न केन्द्रों पर करता है। आज के वर्तमान समय मे कौशल को आजिविका संवर्धन का साधन बनाने के लिये उद्यमिता एक महत्वपूर्ण कारक है। निष्बड व आईसीएफआरई संयुक्त रूप से प्रशिक्षणार्थियों मे उद्यमिता कौशल उन्नयन् हेतु कार्य करेंगे। जिससे आने वाले समय मे नये उद्योगों की स्थापना होगी और स्वरोजगार के साथ-साथ रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। पूर्व मे भी निसबड के साथ संयुक्त रूप से उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था जिसके सुखद परिणाम को देखते हुये सम्पूर्ण केन्द्रों के लिये यह अनुबन्ध किया जा रहा है।

इस मौके पर निष्बड के महा. निदेशक राजेश अग्रवाल ने कहा कि संस्थान उद्यमिता विकास हेतु अनुसंधान शोध एवम् प्रशिक्षण के माध्यम से कार्य कर रहा है। भारतीय वानिकी अनुसंधाान एवम् शिक्षा परिषद् मे शिक्षणरत् युवा जोकि अपने विषय विशेष मे दक्षता प्राप्त कर रहे है । इस अवसर पर एसडी शर्मा, उपमहानिदेशक, डा॰ पूनम सिन्हा, निदेशक, डॉ. आरएस रावत, वैज्ञानिक, बिरेन्द्र सिंह सजवाण व मुख्य परामर्शदाता आदि मौजूद रहे।

UTTARAKHAND TIMES
15 November, 2019

आईसीएफआरई के बीच एमओयू

देहरादून, 14 नवंबर (स.ह.): राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान और भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के मध्य उद्यमिता कौशल व शिक्षा उन्नयन के लिए अनुबंध किया गया। इसमें निसबड के महानिदेशक राजेश अग्रवाल व आईसीएपआरई के महानिदेशक एससी गैरोला ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर निसबड के महानिदेशक राजेश अग्रवाल ने कहा कि हम उद्यमिता विकसित करने के लिए वैज्ञनिक तरीके से काम कर रहे हैं। युवाओं को स्वरोजगारी बनाने के लिए चौतरफा काम किया जा रहा है। निसबड विपणन की दिशा में भी काम करेगा। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूह बनाकर युवाओं को स्वरोजगारी बनाने का काम किया जा रहा है। आईसीएफआरई के डीजी एससी गैरोला ने कहा कि हम वैज्ञानिक आधारित कौशल विकास कार्यक्रम पर काम कर रहा है। निसबड के निदेशक डा. पूनम सिन्हा ने कहा कि उद्यमिता के संस्कार डालकर गरीबी पर हमला करना संभव है।

GAD SAMVEDNA
16 November, 2019

उद्यमिता कौशल एवं शिक्षा के उन्नयन के लिये द्विपक्षीय अनुबन्ध हस्ताक्षरित

November 14, 2019

देहरादून। राष्ट्रीय उद्यमिता एवम लघु व्यवसाय विकास संस्थान, सूक्ष्म, लघु एवम् मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवम् शिक्षा परिषद के मध्य उद्यमिता कौशल एवम् शिक्षा के उन्नयन के लिये द्विपक्षीय अनुबन्ध हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर निसबड के महानिदेशक राजेश अग्रवाल, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवम् शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा0 एस0सी0 गैरोला द्वारा सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया गया।

इस मौके पर निसबड के महानिदेशक राजेश अग्रवाल ने कहा कि संस्थान उद्यमिता विकास हेतु अनुसंधान शोध एवम् प्रशिक्षण के माध्यम से कार्य कर रहा है। संस्थान द्वारा युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करने के लिये विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन देश भर मे किया जा रहा है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवम् शिक्षा परिषद मं शिक्षणरत् युवा जोकि अपने विषय विशेष मे दक्षता प्राप्त कर रहे है ऐसे युवाओं को उद्यमिता कौशल प्रदान कर स्वरोजगार के लिये तैयार करना इस द्विपक्षीय समझौते का उद्देश्य है। निसबड प्रशिक्षणरत युवाओं को बाजार मांग के आधार पर प्रशिक्षित कर उनकी उद्यम स्थापना मे सहयोग करने के साथ-साथ उनके उत्पादों के विपणन मे भी सहयोग करेंगा। निसबड स्वंय सहायता समूह गठित कर युवाओं को समूह उद्यमिता के अवसर भी उपलब्ध करायेगा। उन्होंने कहा कि निसबड देश के विभिन्न हिस्सों मे स्थित संस्थानों/केन्द्रों मे उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। इस मौके पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवम् शिक्षा परिषद के महानिदेशक, डा0 एस0सी0 गैरोला ने कहा कि संस्थान वानिकी अनुसंधान और इससे सम्बन्धित उद्योगों पर आधारित कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन देश भर मे स्थित संस्थान के विभिन्न केन्द्रों पर करता है। आज के वर्तमान समय मे कौशल को आजिविका संवर्धन का साधन बनाने के लिये उद्यमिता एक महत्वपूर्ण कारक है। संयुक्त रूप से प्रशिक्षणार्थियों मे उद्यमिता कौशल उन्नयन् हेतु कार्य करेंगे। जिससे आने वाले समय मे नये उद्योगों की स्थापना होगी और स्वरोजगार के साथ-साथ रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। पूर्व मे भी निसबड के साथ संयुक्त रूप से उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था जिसके सुखद परिणाम को देखते हुये सम्पूर्ण केन्द्रों के लिये यह अनुबन्ध किया जा रहा है। इस अवसर पर निसबड की निदेशक, डा0 पूनम सिन्हा ने कहा कि संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रमों मे प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को उद्यमिता बोध कराकर भविष्य मे स्वरोजगार को आजिविका के साधन के तौर पर अर्जित करने के लिये उद्यमिता जागरूकता एवम् उद्यमिता विकास कार्यक्रमों का आयोजन निसबड करेगा। इस अवसर पर एस0डी0 शर्मा, उपमहानिदेशक, डा0 आर0एस0 रावत, वैज्ञानिक, बिरेन्द्र सिंह सजवाण मुख्य परामर्शदाता आदि मौजूद रहे।

TIMES OF INDIA
16 November, 2019

Agreement signed for upgrade of biz skills & edu

Haridwar: A bilateral agreement was signed between Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE) and National Institute for Entrepreneurship & Small Business Development (NIESBUD), Micro, Small & Medium Enterprise Ministry, government of India on Thursday for up-gradation of entrepreneurship skill and education among youth. The MoU was signed by Dr SC Gairola, director general of ICFRE and Rajesh Aggarwal, director general of NIESBUD. Gairola said, "In the present scenario, entrepreneurship is an important factor to make skill a livelihood enhancement tool. NIESBUD and ICFRE will work jointly to enhance the entrepreneurship skill up-gradation of trainees." TNN